बुढ़ापा बैरी कोई ना पूछे बात

बुढ़ापा बैरी कोई ना पूछे बात,
कोई ना पूछे बात बुढ़ापा बैरी कोई ना पूछे बात,
बुढ़ापा बैरी कोई ना पूछे बात....

आया बुढ़ापा कह गया मेरे कान में बात,
मीठा बोलो झुक के चालो लाठी तो ले लो हाथ,
बुढ़ापा बैरी कोई ना पूछे बात....

अंदर से वह बेटा आया सुन माता मेरी बात,
चारों कोने पड़े हैं घर में कहीं तो बिछा लो खाट,
बुढ़ापा बैरी कोई ना पूछे बात....

अंदर से वह बहुअल आयी सुन मेरी बात,
घर की चाबी हमको दे दो तुमको रहे ना याद,
बुढ़ापा बैरी कोई ना पूछे बात....

अंदर से वह पोते आए सुन दादी मेरी बात,
सारी रात तू खो खो करती बाहर बिछा लो खाट,
बुढ़ापा बैरी कोई ना पूछे बात....

सासरे से बेटी आई सुन मैया मेरी बात,
जब जब मैं पीहर को आऊ तेरी सतावे याद,
बुढ़ापा बैरी कोई ना पूछे बात....

बाहर से वो धेवते आए सुन नानी मेरी बात,
तुम तो मरोगी हमें क्या दोगी तुमको करेंगे हम याद,
बुढ़ापा बैरी कोई ना पूछे बात....

बाहर से वह सतगुरु आए सुन पगली मेरी बात,
राम नाम की माला ले लो यही जाएगी तेरे साथ,
बुढ़ापा बैरी कोई ना पूछे बात....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/28018/title/budapa-bairi-koi-na-puche-baat

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |